तथा देश के विभिन्न भागों में इसकी शाखाओं के विरुद्ध बड़ा रोष है ;

(ख) क्या यह सच है कि कुछ विशेष कारणों से पुलिस तथा अन्य बड़े अधिकारी इस संस्था को अनुचित संरक्षण देते हैं ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि यह विद्यालय अपने नये नाम से कराची की भूतपूर्व 'ओंकार मण्डली' है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) सन् 1961 में उनकी हापुड़ शाखा के विरुद्ध प्रदर्शन के अतिरिक्त ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विद्यालय के विरुद्ध जनता के रोष का कोई उदाहरण सामने नहीं आया है ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) जी हां । विद्यालय की नींव उसी व्यक्ति द्वारा डाली गई है जिसने कराची की 'ओम मण्डली' न कि 'ओंकार मण्डली' की स्थापना की थी ।

Spying by Pakistanis

2168. Shri Nardeo Snatak:
Shri Vishram Prasad:
Shri Mohan Swarup:
Shri C. M. Kedaria:
Shri Kashi Ram Gupta:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 589 on the 16th March, 1966 and state:

(a) whether Government is aware of the fact that Pakistan has a well considered scheme under which she wants to utilise Pakistani Nationals, arrested during the last Indo-Pak hostilities for spying activities in India; and

(b) if so, the action Government propose to take in this connection?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) Government have no such information.

(b) Does not arise.

उच्च अधिकारियों की सेवानिवृत्ति

2169. श्री नरदेव स्नातक :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री काशीराम गुप्त :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को समाचार पत्रों में प्रकाशित इस आशय के समाचार का पता है कि शिक्षा सचिव (विज्ञान), समाज कल्याण विभाग के सचिव तथा कुछ अन्य आई० सी० एस० अधिकारियों को या तो उनके अपने राज्यों में वापस भेजा जायेगा अथवा उन्हें सेवानिवृत्त होने को कहा जायेगा ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस बीच क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण): (क) और (ख). अब सचिव (विज्ञान) ने स्वास्थ्य विभाग में सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया है । वे शीघ्र ही सेवानिवृत्ति की तैयारी की छुट्टी पर जाएंगे । सामाजिक कल्याण—सचिव को उनके राज्य में वापिस जाने के लिये कहा गया है । उनके मामले में कार्यवाही को कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार उनके द्वारा न्यायालय में लिखित आवेदन देने के कारण रोक लिया गया है । आई० सी० एस० तथा अन्य सेवाओं के अधिकारियों के कार्य पर पुनर्विचार किया जा रहा है और जहां कहीं आवश्यक होगी उचित कार्यवाही की जायेगी ।

निवास-स्थानों पर टेलीफोन और समयोपरि भत्ते

2170. श्री नरदेव स्नातक :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री छ० म० केदरिया :

श्री मोहन स्वरूप :
श्री काशीराम गुप्त :

क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1965–66 में उनके मंत्रालय के अधिकारियों के निवास स्थानों पर टेलीफोन पर कुल कितना व्यय हुआ तथा इस वर्ष उनके मंत्रालय के कर्मचारियों को समयोपरि भत्ते के रूप में कुल कितनी राशि दी गई ; और

(ख) 1966–67 के लिये इन दो मदों के लिये पृथक-पृथक बजट में कितनी राशि रखी गई थी तथा उन पर अब तक पृथक-पृथक कितना धन खर्च किया गया है ?

शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती सौन्दरम रामचन्द्रन) : (क) 1965–66 में कुल निम्नलिखित खर्च हुआ :

(1) रिहायशी टेलीफोन 64,025.11 रुपये

(2) समयोपरि भत्ता 1,75,788.85 रुपये

(ख) 1966–67 वर्ष के लिये समयोपरि भत्ते के लिए 1,00,000 रुपये की व्यवस्था की गई है । रिहायशी टेलीफोनों के लिए अलग से कोई बजट व्यवस्था नहीं की गई है । यह खर्च आकस्मिक खर्च मद के अन्तर्गत मिली-जुली व्यवस्था से पूरा किया जाता है, जिसके लिए 3,25,000 रुपये की व्यवस्था है ।

31 अक्टूबर, 1966 तक हुआ खर्च इस प्रकार है :—

(1) रिहायशी टेलीफोन 64,712.99 रुपये

(2) समयोपरि भत्ता 44,587.45 रुपये

मिजो क्षेत्र से मिलने वाली सीमा पर चौकियों का बन्द किया जाना

2171. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **गृह-कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मिजो क्षेत्र से मिलने वाली सीमा पर सरकार ने पुनः छः चौकियों को बन्द कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो अवैध रूप से घुसपैठ पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) इसके पश्चात् कितनी घटनाएं हुई हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ग). सूचना एकत्र की जा रही है और यथा समय सदन के पटल पर रख दी जायेगी ।

कोएक्सियल केबल (सह-धुरी तार) की ट्यूब

2172. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **संचार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एक डाक और तार विभाग के समाचार अनुसंधान केन्द्र में कोएक्सियल केबल (सह-धुरी तार) की एक ऐसी ट्यूब तैयार की है कि जिसके द्वारा एक साथ 1380 लाइनें चलाई जा सकती हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या इसका परीक्षण किया गया है ; और

(ग) इस पर कितना खर्च आयेगा ?

संसद्-कार्य विभाग तथा संचार विभाग में राज्य-मंत्री (श्री जगन्नाथ राव) : (क) दूरसंचार अनुसंधान केन्द्र ने किसी सहधुरीय केबल के डिजाइन तैयार नहीं किये ।

(ख) दूरसंचार अनुसंधान केन्द्र ने सहधुरीय वाहक उपस्कर का डिजाइन तैयार किया है जो इन केबलों पर काम करता है । इस उपस्कर से 1380 वाग्सरणियों की व्यवस्था हो जाती है । इस उपस्कर का प्रयोगशाला में निर्माण करके प्रारंभिक परीक्षण किया गया था । इस समय इस उपस्कर का प्रारंभिक निर्माण तथा मार्गदर्शी उत्पादन बंगलौर स्थित इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज में किया जा रहा है । इस उपस्कर को चालू करने से पहले आवश्यक परीक्षण किये जाएंगे जैसा कि